वर्ष-8 अंक 38 13 मई से 19 मई 2024 तक पृष्ठ-12 MPHIN/2015/63623

न्यूज क्राइम फाइल

आमंत्रण मुल्य 15/-

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

राज्यपाल से मिलने के बाद कहा-कांग्रेस पराजय की लड़ाई लड़ रही

नोटा कोई चुनाव चिन्ह नहीं, आक्रोश जताने का ऑप्शन है: सीएम

उदय प्रताप सिंह चौहान

चौथे चरण के मतदान के एक दिन पहले सीएम डॉ मोहन यादव ने रविवार को राज्यपाल मंगू भाई पटेल से मुलाकात की। सीएम और राज्यपाल के बीच करीब 15 मिनट तक चर्चा हुई। गवर्नर से मुलाकात के बाद सीएम डॉ मोहन यादव ने मीडिया से चर्चा में गर्मी के मौसम में पेयजल, गेहूं खरीदी और लॉ एंड ऑर्डर के मुद्दों पर चर्चा हुई है।

सीएम बोले-नोटा आक्रोश व्यक्त करने का तरीका

इंदौर में कांग्रेस द्वारा नोट पर वोट देने की अपील करने पर सीएम ने कहा- नोटा कोई चुनाव चिन्ह नहीं है। कांग्रेस ने पहले अपना प्रत्याशी खोया। फिर अपनी बुद्धि खो रही है। उन्हें शर्म आनी चाहिए नोट के ऊपर कोई वोट डलता है क्या? नोटा कोई चुनाव चिन्ह नहीं है। नोटा ऑप्शन है अपना आक्रोश व्यक्त करने का। इसका मतलब ये है कि यदि कांग्रेस हारती है तो वह निर्वाचन के खिलाफ जाती है। यह कांग्रेस को सोचना चाहिए कि वो क्या कह रहे हैं। कांग्रेस को अपने अंतर्मन में झांकना चाहिए कि उनका संगठन कहां-कहां फेल हो रहा है। आने वाले चुनाव में फिर मजबूती से लड़ें। वे यदि नोट की बात कर रहे हैं तो यह पराजय की लड़ाई है।

राज्यपाल से इन मुद्दों पर हुई चर्चा

राज्यपाल से मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा मेरी राज्यपाल जी से मुलाकात हुई है गर्मी के मौसम में पेयजल के विषय पर चर्चा हुई है। पूरे प्रदेश में पेयजल का लेकर प्रबंध किया है जहां दिक्कत है वहां व्यवस्था करने को कहा है किसी भी नगर और गांव में पीने की पानी की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। मुझे इस बात का संतोष है कि जो हमने प्रबंध किए हैं ऐसी कोई बहुत बड़ी परेशानी सामने नहीं आई।

गेहूं उर्पाजन को लेकर हुई बात

सीएम ने कहा- अभी गेहूं उपार्जन का भी सीजन चल रहा है। गेहूं के बाजार में भी अच्छे भाव हैं। स्वाभाविक रूप से जितना गेहूं मिल सकता है उतना प्रयास हम कर रहे हैं। केन्द्र सरकार और केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है जितना गेहूं आप खरीदेंगे उतना हम लेंगे। इस तरह से हमने प्रबंध किए हैं। गर्मी में टेंपरेचर बहुत बढ़ रहा है स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तीन चरणों के चुनाव शांतिपूर्ण सम्पन्न हुए

सीएम ने कहा- राज्यपाल महोदय से लॉ एंड ऑर्डर को लेकर अभी चर्चा हुई है तीन चरण के चुनाव अच्छे से हो चुके हैं। मैं इस बात के लिए प्रदेश की जनता का आभार मानता हूं। कल अंतिम चरण की वोटिंग का दिन है सब अपने मताधिकार का प्रयोग करें। मेरा वोट उज्जैन में हैं मैं कल उज्जैन वोट डालने जा रहा हूं। वर्तमान में निर्वाचन का पर्व चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिस तरह से कैम्पेनिंग की और जैसा माहौल बना है वह अपने आप में दिख रहा है। कि हम अपनी राजनीतिक दृष्टि से बात करें तो भाजपा कार्यकर्ता के नाते ये कह सकते हैं कि कल की आठों सीटों को मिलाकर हम सभी 29 सीटें जीत रहे हैं। भाजपा के प्रति जो प्रेम जनता का आया है उसके लिए मैं अभिनंदन करता हूं। मोदी जी ने जनता के दिलों में जो जगह बनाई। और वर्तमान का मोदी युग स्वर्णिम काल में लिखा जाएगा।

शिवराज बोले- केजरीवाल मानसिक संतुलन खो चुके

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के उस बयान पर जवाब दिया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि बीजेपी ने शिवराज सिंह की राजनीति खत्म कर दी है। शिवराज सिंह ने रविवार को कहा- अरविंद केजरीवाल जेल में पहुंचने के बाद अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। अभी बेल पर हैं और केवल चुनाव तक के लिए हैं। केजरीवाल जो भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई करने की बात करके राजनीति में आए थे, वो खुद भ्रष्टाचार में घिर गए अब वो अपने दिमाग को संतुलित रखें। शिवराज सिंह चौहान ने कहा- हम देश की सेवा, जनता की भलाई और विकास के लिए राजनीति करते हैं। भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का महाआंदोलन अभियान है। जिसके हम सब कार्यकर्ता हैं। पार्टी हमें जो काम देती है उसे पूरी प्रामाणिकता, मेहनत और ईमानदारी से हम करते हैं।

जेल से बाहर आने के बाद अरविंद केजरीवाल ने ये कहा था

39 दिनों तक जेल में रहने के बाद जमानत पर बाहर आए दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय कार्यालय में एक भाषण दिया। केजरीवाल ने बीजेपी और नरेंद्र मोदी पर लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, रमन सिंह, वसुंधरा राजे को साइड लाइन करने की बात कही। केजरीवाल ने यह भी कहा कि मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान जिन्होंने पूरी सरकार बनाई, उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया। अगला नंबर यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ का है।

3080 मतदान केंद्र संवेदनशील; इंदौर में सबसे ज्यादा 25 लाख वोटर, उज्जैन में सबसे कम

चौथे चरण में 8 लोकसभा क्षेत्रों में आज मतदान

न्यूज क्राइम फाइल

लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में 13 मई को मध्य प्रदेश के 8 संसदीय क्षेत्रों में वोट डाले जाएंगे। प्रदेश में आम चुनाव का यह अंतिम चरण है। 8 सीटों पर 74 उम्मीदवार मैदान में हैं। कुल 1 करोड़ 63 लाख 70 हजार 654 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। 3080 मतदान केंद्र संवेदनशील और 53 केंद्र अति संवेदनशील हैं। प्रदेश में आम चुनाव के चौथे चरण में इंदौर, खरगोन, देवास, उज्जैन, मंदसौर, रतलाम, धार और खंडवा में मतदान होगा। इसमें सीएम मोहन यादव का ग्रह जिला उज्जैन भी शामिल हैं, जहां मतदान होना है। इंदौर क्षेत्र में सबसे ज्यादा 25 लाख 26 हजार 803 वोटर हैं। उज्जैन में सबसे कम 17 लाख 98 हजार 704 वोटर हैं। थर्ड जेंडर के वोटर्स की बात करें तो इन आठों लोकसभा क्षेत्रों में सबसे ज्यादा 97 थर्ड जेंडर मतदाता इंदौर में हैं। दूसरे नंबर पर उज्जैन में 78 थर्ड जेंडर वोटर हैं।

3080 मतदान केंद्र अति संवेदनशील मप्र के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने चौथे चरण के मतदान की तैयारियों पर जानकारी देते हुए बताया चौथे चरण में 8 लोकसभा क्षेत्रों में 18007 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। 2001 मतदान केन्द्र महिला कर्मचारी संचालित करेंगी। वहीं 946 आदर्श मतदान केंद्र बनाए गए हैं। 66 मतदान केंद्र दिव्यांगों द्वारा संचालित किए जाएंगे। 3080 मतदान केंद्र अति संवेदनशील के तौर पर चिह्नित किए गए हैं। 53 केंद्र को अति संवेदनशील हैं। 130 लोगों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई है। संवेदन शील और अति संवेदन शील मतदान केंद्रों पर सुरक्षा के पुख्ता इतंजाम किए गए हैं। इन मतदान केंद्रों पर वीडियोग्राफी कराई जाएगी।

आठ लोकसभा क्षेत्रों में 1.63 करोड वोटर

लोकसभा क्षेत्र	पुरुष	महिला	थर्ड जेंडर	कुल वोटर
देवास	994073	946374	23	1940472
उज्जैन	907231	891395	78	1798704
मंदसौर	957883	940149	28	1898060
रतलाम	1039974	1054537	37	2094548
धार	979021	974768	45	1953824
इंदौर	1275093	1251613	97	2526803
खरगोन	1023892	1022109	29	2046030
खंडवा	1070924	1041228	51	2112203
कुल	8248091	8122175	3 88	16370654

74 उम्मीदवारों की किस्मत का होगा फैसला

चौथे चरण के चुनाव में 8 लोकसभा सीटों पर 74 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। इनमें 69 पुरुष और 5 महिला उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। सबसे ज्यादा 14 उम्मीदवार इंदौर में और सबसे कम 5 केंडिडेट खरगोन में हैं। देवास, मंदसौर, इंदौर, खरगोन और खंडवा में कोई महिला उम्मीदवार नहीं हैं।

सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगी वोटिंग

चौथे चरण की आठ लोकसभाओं में सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक वोटिंग होगी। मतदान शुरु होने के 90 मिनट पहले मॉक पोल की कार्रवाई शुरु होगी।

भोपाल में कवर्ड कॉलोनी में चोरी, केस दर्ज

लाखों रुपए के जेवरात और केश ले गए नकाबपोश बदमाश

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के बंगरसिया में स्थित कवर्ड कैंपस कॉलोनी कैपिटल ग्रीन के एक मकान में चोरों ने धावा बोल दिया। बदमाश यहां से सोने चांदी के जेवरात, दस हजार की नकदी लेकर चंपत हो गए। आरोपियों के सीसीटीवी फुटेज मिले हैं। बदमाश नकाब पहने हुए हैं और शर्टलेस थे। हुलिए के आधार पर पुलिस बदमाशों की तलाश में जुटी है। जानकारी के मुताबिक सुदर्शन पांडे (62) सीआरपीएफ से रिटायर्ड हवालदार हैं। फिलहाल वह कैपिटल ग्रीन कॉलोनी में किराए से रहते हैं। 23 अप्रैल 2024 को परिवार के साथ रीवा में रहने वाले रिश्तेदार के घर गए थे।

10 मई 2024 को वह घर लौटे तो देखा कि गेट का ताला टूटा था। अंदर रखा सामान बिखरा पड़ा था। बैडरुम की अलमारी का लॉक खुला था और उसमें रखा एक सोने का मंगलसूत्र,सोने की तीन अंगूठी, एक सेट कान की बालियां सहित दस हजार रुपए कैश गायब थे।

सीसीटीवी में कैद हुए आरोपी

घर में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चेक करने पर 7 मई 2024 को रात 3 बजे दो अज्ञात बदमाश घर में प्रवेश करते दिखाई दिए हैं। दोनों वारदात के बाद इसी रास्ते से फरार हो गए। फुटेज फरियादी की ओर से पुलिस को सौंप दिए गए हैं। हुलिए के आधार पर पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

दूसरे घर का ताला भी तोड़ा

सुदर्शन पांडे के मुताबिक मकान के पड़ोस में ही उनका दूसरा मकान है। जो फिलहाल खाली है। चोरों ने इस मकान में भी चोरी करने का प्रयास किया है। इस घर के मेन गेट के ताले को तोड़ा गया। पूरे घर की बारीकी से तलाशी ली गई। हालांकि कुछ हाथ नहीं लगने पर बदमाश खाली हाथ ही लौट गए।

पूर्व मंत्री कमल पटेल पर एफआईआर

भोपाल से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद पर भी मामला दर्ज; चुनाव आयोग ने की कार्रवाई

संजीव कुमार

मतदान की गोपनीयता भंग करने के मामले में भोपाल से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद पर एफआईआर दर्ज की गई है। राजधानी के शाहजहांनाबाद थाने में धारा 188 के तहत उन पर केस दर्ज किया गया है। वहीं हरदा में पूर्व मंत्री कमल पटेल पर मामला दर्ज किया गया है। पोते को पोलिंग बूथ पर ले जाने का उनका फोटो वायरल हुआ था। दरअसल प्रदेश में 7 मई को हुए तीसरे चरण के दौरान चुनाव आयोग को वोट डालते वक्त वीडियो बनाने, बच्चों को मतदान केंद्र के अंदर ले जाकर वोट डालने जैसी शिकायतें मिली थीं।

एमएलए के बेटे ने शेयर किया था पोलिंग बूथ का वीडियो

भोपाल मध्य विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद के नाबालिग बेटे ने पोलिंग बूथ का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया था। इसमें वह पिता के साथ बूथ के अंदर जाता दिख रहा है। वीडियो 7 मई को उस वक्त का है, जब भोपाल लोकसभा सीट के लिए मतदान किया जा रहा था। इस वीडियो के वायरल होने के बाद गुरुवार को संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने चुनाव आयोग से शिकायत की थी। शिकायत में कहा कि विधायक अपने नाबालिग बेटे को लेकर पोलिंग बूथ के भीतर गए।

कमल पटेल का पोते के साथ वोट डालते फोटो वायरल

हरदा में 7 मई को तीसरे चरण की वोटिंग के दौरान नाबालिग पोते को पोलिंग बूथ पर ले जाने और फोटो क्लिक कराने के मामले में रविवार को सिटी कोतवाली में पूर्व मंत्री कमल पटेल समेत तीन लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, सहायक रिटर्निंग अधिकारी कुमार शानू देवड़िया की शिकायत पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 128, 130, 131 एवं भादवि 188 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी आदित्य सिंह ने बताया कि इस प्रकरण में केंद्र की बीएलओ और करताना के सरकारी स्कूल में पदस्थ शिक्षिका शर्मिला पाटिल को सस्पेंड कर दिया गया है।

वहीं, सेक्टर अधिकारी पर अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए वरिष्ठ कार्यालय को लिखा गया है। इसके साथ ही मतदान केंद्र पर तैनात पुलिस कर्मचारी और संबंधित सेक्टर के पुलिस अधिकारियों पर कार्रवाई के लिए भी हरदा एसपी को लिखा गया है। बता दें कि मतदान के चार दिनों बाद शनिवार शाम को कांग्रेस जिला अध्यक्ष ओम पटेल और संजय जैन ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से पूर्व मंत्री कमल पटेल के आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायत की गई थी। जबकि इसके पहले किसान कांग्रेस के कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष केदार सिरोही ने प्रदेश में भाजपा नेताओं के बेटे और पोते के साथ मतदान केंद्र पर जाने को लेकर जांच की मांग की गई थी। वहीं चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लेकर सवाल खड़े किए थे। 7 मई को तीसरे चरण के मतदान के दौरान हरदा जिला मुख्यालय के पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में बने मतदान केंद्र पर पूर्व मंत्री कमल पटेल अपने नाबालिग पोते के साथ मतदान केंद्र पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने पत्नी के साथ पोलिंग बूथ पर जाकर वोट डाला। ईवीएम के पास पोते के साथ कमल पटेल का फोटो वायरल हुआ था।

स्ट्रीट डॉग्स को पकड़ने नहीं पहुंचा निगम अमला: भोपाल के जिंसी इलाके में 7 साल के बच्चे पर किया था अटैक

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के जिंसी इलाके में एक 7 साल के मासूम पर शनिवार रात में आवारा कुत्तों ने अटैक कर दिया। कुत्तों ने उसे हाथ-पैर और कमर के निचले हिस्से में नोंचा। जिससे वह बुरी तरह से जख्मी हो गया। रविवार को बच्चे की हालत में सुधार आया, लेकिन नगर निगम का अमला आवारा कुत्तों को पकड़ने नहीं पहुंचा। बता दें कि तासिन खान (7) निवासी जिंसी शनिवार रात में मस्जिद में नवाज पढ़कर घर लौट रहा था। जैसे ही वह मस्जिद से बाहर निकला, सड़क पर तीन-चार कुत्तों ने उसे घेरकर अटैक कर दिया था। घटना बैंक कॉलोनी जिंसी की है।

तासिन की मां राहिला खान ने बताया कि कुत्तों के अटैक से बेटे को गहरे जख्म हो गए। उसे तुरंत जेपी हॉस्पिटल लेकर गए थे। जहां इंजेक्शन लगाए गए। रविवार को उसकी हालत में सुधार आया है। सोमवार को फिर से इंजेक्शन लगवाने जाएंगे।

लोगों ने घर पर छोड़ा था

अचानक कुत्तों के अटैक से तासिन घबरा गया था। उसे कुत्तें नोंच रहे थे। तभी पास से गुजर रहे लोग दौड़े और उसे कुत्तों को भगाया। इसके बाद लोग उसे घर छोड़कर आए थे। यहां से परिजन बच्चे को हॉस्पिटल लेकर आए। जहां उसका इलाज किया गया। बैंक कॉलोनी जिंसी में आवारा कुत्तों का लंबे समय से आतंक है। एक महीने में तीसरे बच्चे को कुत्तों ने काट लिया। इसके बाद भी नगर निगम ने कुत्तों को नहीं पकड़ा। इस कारण कुत्तों के अटैक के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। कुत्तों के अटैक के बावजूद रविवार को निगम अमला मौके पर नहीं पहुंचा।

अरविंद केजरीवाल को मिली अंतरिम जमानत के सियासी मायने को ऐसे समझिए

सुप्रीम कोर्ट के एक साहसिक निर्णय से जेल में बंद भारतीय राजनेताओं के चुनावों के दौरान बाहर आने और चुनाव प्रचार में अपनी भागीदारी जताने का मार्ग प्रशस्त हो चुका है। समझा जाता है कि कोर्ट के इस उदार पहल से भारत में एक नई सियासी क्रांति का आगाज हो सकता है। लिहाजा, इस निर्णय के सफेद और स्याह पक्ष पर चर्चा करने से पहले यह बता दें कि दिल्ली एक्साइज पॉलिसी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी की जांच का सामना कर रहे और पिछले 50 दिन से जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने आगामी एक जून 2024 तक के लिए अंतरिम जमानत दे दी है। ऐसा इसलिए कि अरविंद केजरीवाल को दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति 2021-22 में कथित अनियमितताओं से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में विगत 21 मार्च 2024 को ईडी ने गिरफ्तार किया था। ईडी के इस निर्णय की तब बहुत आलोचना हुई थी, क्योंकि मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए ही उन्हें गिरफ्तार किया गया था, जो भारतीय राजनीतिक इतिहास की अनोखी घटना बन चुकी है। इसी मामले में गत 8 मई 2024 को सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई की। सुनवाई के दौरान ही न्यायमूर्ति खन्ना ने प्रवर्तन निदेशालय के वकील अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से कहा था कि वह केजरीवाल को अंतरिम राहत पर शुक्रवार को आदेश पारित कर सकते हैं। इससे एक दिन पहले भी यानी गत 7 मई को सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर कहा था कि मामले की सुनवाई जल्दी पूरी होने की उम्मीद नहीं है। ऐसे में कोर्ट लोकसभा चुनाव को देखते हुए केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने पर विचार कर सकता है। हालांकि, कोर्ट ने शर्त रखी थी कि अगर चुनाव प्रचार के लिए जमानत दी जाती है तो वह मुख्यमंत्री के तौर पर काम नहीं करेंगे और न ही किसी फ़ाइल पर हस्ताक्षर करेंगे। फिर भी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल भिजवाने वाली ईडी परेशान हो गई। आनन-फानन में ईडी ने एक हलफनामा दायर करके उनके अंतरिम जमानत का विरोध किया और कुछ अकाट्य दलीलें भी दी। जिस पर केजरीवाल की लीगल टीम ने भी कड़ी आपत्ति जताई। जिसके दृष्टिगत सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की सभी दलीलों को दरकिनार करते हुए केजरीवाल को अंतरिम जमानत दे दी। यही वजह है कि जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत मिलने के सियासी और न्यायिक मायने तलाशे जा रहे हैं। क्योंकि यह एक असाधारण न्यायिक आदेश है, जो अब बौद्धिक विमर्श का मुद्दा भी बन चुका है। समझा जा रहा है कि कोर्ट के ताजा निर्देश से जहां देश में जनतांत्रिक भावनाओं को बल मिलेगा, वहीं भ्रष्टाचार और अपराध में शामिल राजनेताओं का मनोबल भी बढ़ेगा। क्योंकि जेल से बाहर रहने का एक अमोघ कानूनी हथियार कोर्ट के फैसले से उन्हें मिल चुका है। लिहाजा, आने वाले दिनों में जेल में बंद भारतीय राजनेताओं के द्वारा चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत मांगे जाने के मामले बढ़ेंगे। बता दें कि ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा देकर यह स्पष्ट कर दिया है कि केजरीवाल को किसी भी तरह की विशेष राहत देकर चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत दिया जाना समानता और कानून के शासन के लिए अभिशाप जैसा होगा। इससे ऐसी नजीर कायम होगी कि सभी अपराध करने वाले अनैतिक राजनेता चुनाव की आड़ में जांच को नजरअंदाज करेंगे, चाहे वो पंचायत चुनाव हो, नगरपालिका चुनाव हो, विधानसभा चुनाव हो या फिर आम चुनाव। यदि वे गिरफ्तार किए जाते हैं तो प्रचार के लिए अंतरिम जमानत मांगेंगे। दो कदम आगे की सोचते हुए उसने तर्क दिया कि आजतक किसी भी राजनेता को चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत नहीं दी गई, चाहे जेल में बंद वह व्यक्ति स्वयं भी प्रत्याशी क्यों न रहा हो, जबकि केजरीवाल तो उम्मीदवार भी नहीं हैं। ऐसे भी कई उदाहरण हैं कि अपराधी जेल से ही चुनाव लड़े और जीत भी गए, लेकिन उन्हें कभी इस आधार पर जमानत नहीं मिली। वैसे भी चुनाव प्रचार न तो संवैधानिक अधिकार है और न ही मौलिक अधिकार। लिहाजा ऐसा होने से कानून का उल्लंघन करने वाले हर

अपराधी को राजनीतिज्ञ बनने और वर्ष भर प्रचार के मोड में रहने का प्रोत्साहन मिलेगा। राजनेता आम आदमी से ऊपर होने और विशेष दर्जे का दावा नहीं कर सकता। ईडी ने अपनी दलील में चुनाव प्रचार के लिए केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने का विरोध करते हुए कहा कि मतदान का अधिकार, जिसे कोर्ट ने संवैधानिक अधिकार माना है, वह भी हिरासत के दौरान नहीं रहता। जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 62(5) जेल में बंद व्यक्ति के मतदान के अधिकार में कटौती की बात करती है। यह चीज देखने लायक है कि पिछले पांच सालों में करीब 123 चुनाव हुए हैं और अगर किसी राजनेता को चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत दी जाने लगे तो किसी भी राजनेता को गिरफ्तार करके जेल में नहीं रखा जा सकता, क्योंकि चुनाव तो सालभर चलने वाली गतिविधि है। हर राजनीतिज्ञ हर स्तर पर यह दलील दे सकता है कि अगर उसे जमानत नहीं दी गई तो उसे न भरपाई होने वाला नुकसान होगा। ईडी ने स्पष्ट तौर पर कहा कि इस समय सिर्फ पीएमएलए कानून में ही बहुत से नेता जेल में हैं। उनके मामलों को जांचने के बाद सक्षम अथॉरिटी ने उनकी हिरासत को सही ठहराया है। बहुत से नेता पीएमएलए के अलावा अन्य अपराधों में जेल में होंगे। ऐसे में अरविंद केजरीवाल के साथ विशेष व्यवहार करने और उनकी विशेष मांग स्वीकार करने का कोई कारण नहीं है। उसने तो यहां तक कह दिया कि केजरीवाल ने कई समन के बाद भी जांच एजेंसी के सामने पेश न होने के पीछे पांच राज्यों में चुनाव का यही आधार दिया था। ऐसे में अगर कोर्ट ने केजरीवाल को अंतरिम जमानत दी तो उनके द्वारा आप के स्टार प्रचारक होने के आधार पर प्रचार के लिए समन को नजरअंदाज करने का कारण बनाये जाने पर न्यायिक मुहर लग जाएगी। साथ ही प्रचार के लिए अन्तरिम जमानत से प्रचार की इच्छा रखने वाले नेताओं का एक अलग वर्ग बन जायेगा। हालांकि कोर्ट ने ईडी की एक न सुनी और अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देकर यह स्पष्ट कर दिया कि भारतीय लोकतंत्र को किंतु-परन्तु के आधार पर नहीं, बल्कि स्पष्ट और पारदर्शी नीतियों के आधार पर ही चलाया जाएगा। संभव है कि अगली संसद इससे सबक लेगी और नेताओं के लिए आवश्यक कानून बनाएगी या फिर पूर्व की विसंगतियों को दूर करेगी। यह स्वाभाविक सवाल है कि जब चुनावी मौसम हो और दल विशेष का प्रमुख नेता ही जेल में हो तो उसकी पार्टी को सही जनादेश कैसे मिल पाएगा। शायद इसलिए कोर्ट ने अंतरिम जमानत की नई राह दिखा दी और सियासी नकेल अपने हाथों में रख ली।

संपादकीय

देश में भ्रष्टाचार का खंड बन गया है झारखंड

गैरभाजपा राजनीतिक दलों के लिए देश में व्याप्त भ्रष्टाचार कोई चुनावी मुद्दा नहीं रह गया है। यही वजह है कि खासतौर से क्षेत्रीय दलों की सरकारों में बेशर्मी से लूटने की होड़ मची हुई है। झारखंड में एक मंत्री के निजी सहायक के नौकर के घर से मिले करीब 35 करोड़ रुपए मिलने पर किसी भी दल ने कठोर कार्रवाई की मांग तो दूर बल्कि इस भारी-भरकम भ्रष्टाचार के लिए अफसोस तक जाहिर नहीं किया। यह पहला मौका नहीं है जब इंडिया गठबंधन में शामिल दलों की असलियत उजागर हुई हो। इससे पहले भी असीम सुर्खियों में रहे भ्रष्टाचार के मामलों में भी क्षेत्रीय दलों की सत्तारुढ़ सरकारो के काले कारनामे सामने आ चुके हैं। भ्रष्टाचार के मामले सामने आने पर क्षेत्रीय दलों का प्रयास यही रहता रहा है कि इसे केंद्र की भाजपा सरकार की साजिश करार दिया जाए। कांग्रेस ने इन दलों के भ्रष्टाचार के मामलों में संरक्षक की भूमिका निभाई है। कारण स्पष्ट है यदि कांग्रेस क्षेत्रीय दलों के भ्रष्टाचार के मामले उठाती है तो उसे अपनी गिरेबां में भी झाकना होगा। इससे ये दल एक-दूसरे के भ्रष्टाचार के मामलों में छिछालेदार करने लगेंगे। ऐसी हास्यादपद स्थिति से बचने के लिए ये दल एक-दूसरे के भ्रष्टाचार का जिक्र नहीं करते हैं। कांग्रेस ने भ्रष्टाचार के मामलों में मौन साधे रखा है। यहां तक की कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के घोषणा पत्र में भ्रष्टाचार का जिक्र तक करना जरूरी नहीं समझा। कांग्रेस को अंदाजा था कि इसका जिक्र करते ही भाजपा गठबंधन खिल्ली उड़ाने से चूकेगा नहीं। यही वजह रही कि कांग्रेस घोषणा पत्र में देश में व्याप्त भ्रष्टाचार के खात्मे को लेकर कोई वादा नहीं किया। आश्चर्य यह है कि झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री और कांग्रेस नेता आलमगीर आलम के निजी सचिव संजीव लाल के घरेलू सहयोगी जहांगीर के यहां छापा मार कर प्रवर्तन निदेशालय ने 35 करोड़ रुपए बरामद किए। इस पर भी मंत्री आलम ने त्याग पत्र देना जरूरी नहीं समझा। झारखंड में सत्ता में शामिल कांग्रेस ने आलम के इस्तीफ की मांग तक नहीं की। अलबत्ता कांग्रेस ने इससे अपना दामन बचाने की कोशिश जरूर की। लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र में आयोजित राहुल गांधी की सभा में मंच पर कांग्रेस कोटे से ग्रामीण विकास मंत्री बने आलमगीर आलम को जगह नहीं मिली। कांग्रेस ने आलमगीर को महज यह संदेश देकर औपचारिकता निभाई की पहले जांच से बरी होकर आओ। इससे पहले झारखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन भी भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार हो चुके हैं। सोरेन को जमानत नहीं मिल सकी है।

मुंडन करवाकर लौट रहे 6 लोगों की मौत

6 माह का बच्चा वेंटिलेटर पर; भैरव घाटी पर रेलिंग में घुसी थी तेज रफ्तार कार

न्यूज क्राइम फाइल

देवी धाम सलकनपुर से 6 महीने के बच्चे का मुंडन और तुलादान कराकर लौट रहे भोपाल के परिवार की कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। भैरव घाटी पर हुए हादसे में दादा-दादी समेत परिवार के 5 लोगों समेत ड्राइवर की मौत हो गई। पोते समेत 6 लोग घायल हैं। बच्चा वेंटिलेटर पर है। उसे रेनबो हॉस्पिटल, भोपाल में भर्ती कराया गया है। भोपाल में डीआईजी बंगला इलाके के चौकसे नगर के रहने वाले राजेंद्र पांडेय (75) का परिवार आइसक्रीम कारोबारी हैं। शुक्रवार को उनके 6 महीने के पोते व्योम का मुंडन कराने के लिए परिवार के 10 लोग टवेरा कार से सलकनपुर गए थे। शुक्रवार शाम 6.20 बजे भैरव घाटी पर कार रेलिंग की दीवार से टकराकर पलट गई। टवेरा में पीछे बैठे बच्चे के पिता मोहित पांडेय ने बताया कि ड्राइवर घाटी के मोड़ पर गाड़ी मोड़ नहीं पाया। गाड़ी सीधे रेलिंग की दीवार से टकरा गई।

पीएम रूम तक परिजन ने धकेला स्ट्रेचर

शारदा प्रसाद, राजेंद्र और ड्राइवर लक्ष्मी नारायण के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए रेहटी लाया गया। शारदा, उषा और पुष्पलता के शव नर्मदापुरम जिला अस्पताल लाए गए। तीनों महिलाओं के शव जिला अस्पताल परिसर से पोस्टमॉर्टम रूम तक ले जाने के लिए परिजन को ही स्ट्रेचर धकेलना पड़ा। वार्ड बॉय नहीं मिला। हमारा पूरा परिवार मेरे 6 महीने के बेटे व्योम का मुंडन कराने शुक्रवार को भोपाल से सलकनपुर गया था। सभी बेहद खुश थे। नर्मदा दर्शन किए। रामजी बाबा की समाधि पर मुंडन कराया। सब बच्चे के तुलादान में खूब नाचे। इसके बाद देवी धाम सलकनपुर पहुंचे। माताराणी की पूजा और दर्शन किए। शाम 6.20 बजे जब सलकनपुर से भोपाल के लिए निकले तो भैरव घाटी के पास कार (एमपी 04 टीए 6799) अनियंत्रित होकर पहाड़ी की रेलिंग की दीवार से टकराकर पलट गई। मैं पीछे बैठा था। अचानक मोड़ आ गया, ड्राइवर पूरी गाड़ी काट नहीं पाया। टवेरा सीधे रेलिंग से टकरा गई। जोर से आवाज आई और हम सुध-बुध खो रहे थे। महिलाएं चीख-पुकार रहीं थी। मेरे पिता राजेंद्र पांडेय, ताऊ शारदा प्रसाद की मौके पर ही मौत हो गई। हाउसिंग बोर्ड भोपाल से हमारे साथ किराए की गाड़ी लेकर आया ड्राइवर लक्ष्मीनारायण घायल था। उसे और परिवार के बाकी लोगों को पुलिस और दूसरे लोग अस्पताल लेकर गए।

राम - लक्ष्मण की तरह थे दोनों भाई

शारदा और राजेंद्र की बहन कृष्णा दीक्षित ने कहा, दोनों भाई राम - लक्ष्मण की तरह थे। परिवार में सबसे बड़े शारदा पांडेय जैसा कहते थे, वैसा होता था। आज के जमाने में भी हमारी 22 लोगों की फैमिली साथ रहती है। भाभी अपर्णा और उषा में जेठानी-देवरानी का रिश्ता होने के बावजूद बहनों की तरह रहती थीं। बड़े भाई अगर कोई कपड़ा भी खरीदकर लाते थे तो छोटे भाई उसे अपना लेते थे। मना नहीं करते थे कि नहीं पहनना।

जुलाई में परिवार की बेटी की शादी

हादसे में जान गंवाने वाले राजेंद्र प्रसाद पांडे की बेटी मोनिका पांडे की शादी जुलाई में होना है। परिवार में बेटी की शादी की तैयारियां चल रही थीं। मोहित पांडेय ग्वालियर में सरकारी नौकरी करते हैं। उनकी पिछले साल शादी हुई थी। पत्नी शिखा भोपाल के एक प्राइवेट स्कूल में टीचर थीं। लेकिन, प्रेग्नेंसी के बाद उन्होंने नौकरी छोड़ दी थी। मोहित ग्वालियर से अप-डाउन करते थे। शिखा भोपाल में ही अपने बेटे के साथ रहती हैं।

हादसे में इन्होंने गंवाई जान

शारदा प्रसाद पांडेय (72)
अपर्णा पांडेय (60) पत्नी शारदा प्रसाद
राजेंद्र पांडेय (70)
उषा पांडेय पत्नी राजेंद्र
रिश्तेदार पुष्पलता अवस्थी (85)
ड्राइवर लक्ष्मी नारायण चौकसे
व्योम (6 माह) पिता मोहित

ये हुए घायल

मोहित पांडेय (35)
शिखा पांडेय (32) पति मोहित
मोनिका पांडेय (33) पिता राजेंद्र
ज्योति वाजपेयी (40) पति भरत पांडेय
गायत्री पांडेय (45) पति स्व. विशेष प्रसाद पांडेय

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441
संजीव कुमार (ब्यूरो प्रभारी भोपाल) 08224965455
email: newscrimefile@yahoo.com

फूफा ने 17 साल की भतीजी की हत्या की

जबलपुर में नहर किनारे फेंका शव; साड़ी दिलाने का कहकर साथ ले गया था

न्यूज क्राइम फाइल

जबलपुर में एक शख्स ने 17 साल की लड़की की हत्या कर दी। आरोपी ने उसके सिर पर पत्थर से कई वार किए। शव नहर किनारे फेंक दिया। वारदात खमरिया थाना क्षेत्र में गुरुवार रात की है। शुक्रवार सुबह शव मिला। पुलिस ने आरोपी विक्रम सिंह (37) को गिरफ्तार कर लिया है। लड़की उसके साले की बेटी थी। उसे फूफा कहती थी। पुलिस के मुताबिक, लड़की जबलपुर में भरे-पूरे परिवार के साथ रहती थी। उसकी छोटी बुआ की शादी 10 मई को होनी थी। इसके लिए मंडला से बड़ी बुआ, फूफा विक्रम सिंह और अन्य रिश्तेदार घर आए थे। गुरुवार शाम को हल्दी की रस्म थी। मंडप के नीचे देर रात तक महिलाओं का कार्यक्रम चलता रहा। लड़की भी सहेलियों और बहनों के साथ इसमें मौजूद थी। वह बड़ी बुआ से कह रही थी कि छोटी बुआ की शादी में नई साड़ी पहनना है। इस पर लड़की की मां ने हामी भर दी। पास ही खड़ा उसका फूफा विक्रम सिंह यह सुन रहा था। उसने थोड़ी देर बाद लड़की से पूछा- क्या मांग रही हो बुआ से लड़की ने कहा कि मुझे नई साड़ी चाहिए। कल जब बारात आएगी तो मैं

वही पहनूंगी। इस पर विक्रम ने कहा, मेरे साथ चलो। दिला देता हूं। इस पर वह विक्रम के साथ बाजार के लिए घर से निकल गई।

दादी से बोला- मेरे ऊपर शक मत करो

लड़की की चाची ने उन्हें घर से निकलते देख लिया था। करीब डेढ़ घंटे बाद विक्रम अकेला लौटकर आया। घरवालों ने लड़की के बारे में पूछा तो उसने बताया, मैं उसे सड़क किनारे खंभे के पास छोड़ गया था। लड़की की दादी ने विक्रम से पूछा- उसे साथ ले गए थे तो अकेले क्यों आए कहां छोड़ दिया उसे इस पर आरोपी ने कहा, मेरे ऊपर शक मत करो। आपको क्या लगता है मैंने उसे बेच दिया है इतना कहकर वह बाइक उठाकर फिर घाट की तरफ चला गया।

विक्रम का मोबाइल टूटा होने पर हुआ शक

लड़की के चाचा ने बताया कि जिस समय दोनों घर से निकले थे, उस दौरान लाइट नहीं थी। रात 12 बजे जब विक्रम आया तो उसने कहा कि लड़की को खंभे के पास छोड़कर रांझी चला गया था। परिवार ने पूछा कि रांझी में किस दोस्त के पास गए थे, फोन लगाकर बात कराओ। विक्रम ने फोन निकाला तो वह टूटा हुआ था। उस पर धूल भी लगी थी। परिवार के लोगों को शक हुआ। वे लड़की को ढूंढने निकले। आसपास नहीं मिली तो खमरिया थाना पुलिस को सूचना दी।

नहर किनारे खून से लथपथ लाश मिली

पुलिस पहुंची तो परिवारवालों ने विक्रम पर ही शक जताया। पुलिस ने उससे पूछताछ की। जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि जबलपुर-डिंडोरी मार्ग से करीब एक किलोमीटर दूर बीरनेर नहर किनारे एक लड़की की खून से सनी लाश मिली है। आसपास खून से सने कुछ पत्थर भी पड़े हैं। पुलिस लड़की के परिजन को लेकर मौके पर पहुंची। उन्होंने लाश को पहचान लिया।

सख्ती की तो कबूली हत्या करने की बात

इसके बाद पुलिस ने विक्रम से कड़ी पूछताछ शुरू की। शुरू में वह बरगलाता रहा। सख्ती की तो टूट गया। लड़की की हत्या करना कबूल कर लिया। पुलिस ने उसे तुरंत कस्टडी में ले लिया। पुलिस का कहना है कि लड़की का सिर पत्थर से कुचला गया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने पर ही पता चलेगा कि उसके साथ कोई और अपराध हुआ या नहीं।

बुआ की बारात नहीं आई, भतीजी की अर्थी निकली

लड़की की छोटी बुआ की शादी बरगी के पास एक गांव में तय हुई थी। शुक्रवार को बारात आनी थी। घटना की जानकारी ससुरालवालों को मिली तो वे शुक्रवार दोपहर को जबलपुर आए और बहू को साथ ले गए। न ढोल बजा, न ही कोई रस्म हुई। जिस घर में बुआ की बारात आनी थी, उसी घर से भतीजी की अर्थी निकली।

नवविवाहिता से घर में घुसकर रेप बलात्कार

न्यूज क्राइम फाइल

जिले के कैंट इलाके ने एक नवविवाहिता से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी ने महिला को घर में अकेला पा कर उसके साथ जबरजस्ती रेप किया। किसी को बताने पर पति को जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इसी तरह मधुसुदनगढ़ इलाके में भी नाबालिग से रेप के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों को अदालत में पेश किया गया, जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया है। टीआई संजीव कुमार सिंहा ने बताया कि एक विवाहिता से दुष्कर्म के मामले में कार्यवाही करते हुए आरोपी को महज दो घंटे में ही गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गुरुवार को 20 वर्षीय एक विवाहित युवती ने कैंट थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि 5 मई को वह अपने घर पर अकेली थी। इसी दौरान दोपहर के समय नानाखेड़ी निवासी गोविन्द कुशवाह उसके घर पर आया और उसे घर में अकेली पाकर गोविन्द कुशवाह ने उसके साथ जबरदस्ती गलत काम किया। यह बात किसी को बताने पर उसे व उसके पति को जान से मारने की धमकी दी गई। नवविवाहिता की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी गोविन्द कुशवाह के खिलाफ रेप सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने आरोपी की तलाश में कई जगह दाबिशें दीं। एक जगह आरोपी पुलिस को मिल गया। पुलिस ने आरोपी शिवराज उर्फ गोविन्द पुत्र गोपाल सिंह कुशवाह उम्र 26 साल निवासी नानाखेड़ी को रिपोर्ट दर्ज होने के महज दो घंटे में ही पकड़ लिया। उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। जिले के मधुसुदनगढ़ इलाके में पुलिस ने नाबालिग से रेप के आरोपी को पकड़ा है।

फोटो कैप्शन

अब मतदान की बारी है, सुनिश्चित जीत हमारी है: देवड़ा

उप मुख्यमंत्री मन्दसौर लोकसभा अंतर्गत मल्हारगढ़ विधानसभा के ग्राम बालागुड़ा में भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की एवं दिनांक 13 मई, सोमवार को होने जा रहे मतदान की तैयारियों और संबंधित व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की।

जैकब वादलेच से 0.02 मीटर पीछे रहा बेस्ट थ्रो; किशोर जेना नंबर-9 पर रहे

नीरज को डायमंड लीग में सिल्वर मेडल

न्यूज क्राइम फाइल

दोहा डायमंड लीग में नीरज चोपड़ा ने सिल्वर मेडल जीत लिया है। वह अपने खिताब का बचाव नहीं कर सके। उन्होंने 6 राउंड के बाद 88.36 मीटर का बेस्ट थ्रो फेंका, जो उनके आखिरी प्रयास में आया। चेक रिपब्लिक के जैकब वादलेच पहले नंबर पर रहे, उन्होंने तीसरे अटैम्प्ट में 88.38 मीटर का बेस्ट थ्रो फेंका। दोहा डायमंड लीग कतर के स्पोर्ट्स क्लब में हुई, नीरज ने अपने सीजन की शुरुआत दोहा से ही की। उन्होंने पिछले सीजन दोहा में गोल्ड मेडल जीता था। भारत के अन्य जैवलिन थ्रोअर किशोर जेना 10 एथलीट्स में 9वें नंबर पर रहे। उन्होंने अपने तीसरे अटैम्प्ट में 76.31 मीटर का बेस्ट थ्रो फेंका।

नीरज का पहला थ्रो रहा था फाउल

नीरज चोपड़ा का पहला थ्रो फाउल रहा था। उन्होंने दूसरे अटैम्प्ट में 84.93, तीसरे अटैम्प्ट में 86.24, चौथे अटैम्प्ट में 86.18, पांचवें अटैम्प्ट में 82.28 और आखिरी अटैम्प्ट में 88.36 मीटर लम्बा थ्रो फेंका। गोल्ड मेडल जीतने वाले जैकब का पांचवां और छठा अटैम्प्ट फाउल रहा था। उन्होंने पहले अटैम्प्ट में 85.87, दूसरे अटैम्प्ट में 86.93, तीसरे अटैम्प्ट में 88.38 और चौथे अटैम्प्ट में 84.04 मीटर लम्बा थ्रो फेंका। उन्होंने तीसरे अटैम्प्ट में बेस्ट थ्रो फेंका, जो नीरज के बेस्ट थ्रो से बेहतर साबित हुआ।

तीसरे नंबर पर रहे पीटर्स एंडरसन

ग्रेनेडा के पीटर्स एंडरसन तीसरे, फिनलैंड के हेलैंडर ओलिवर चौथे और मोल्डोवा के मारडेयर एंड्रियन पांचवें नंबर पर रहे। एंडरसन का बेस्ट थ्रो 86.62, ओलिवर का 83.99 और एंड्रियन का 81.33 मीटर का रहा।

जेना 3 ही अटैम्प्ट के बाद रेस से बाहर हुए

भारत के किशोर जेना 3 अटैम्प्ट के बाद 9वें ही नंबर पर रह सके, जिस कारण उन्हें आखिरी 3 अटैम्प्ट नहीं मिले। जेना ने पहले अटैम्प्ट में 75.72 और तीसरे अटैम्प्ट में 76.31 मीटर लम्बा थ्रो फेंका। उनका दूसरा अटैम्प्ट फाउल रहा था। 10वें नंबर पर अमेरिका के थॉम्पसन कर्टिस रहे।

दोहा डायमंड लीग 2023 में जीता था गोल्ड

नीरज ने अपने 2023 सीजन की शुरुआत भी दोहा में की थी। पिछले साल इसी इवेंट में चोपड़ा ने 88.67 मीटर की दूरी के साथ गोल्ड हासिल किया था। वहीं, दूसरे नंबर पर चेक रिपब्लिक ने जैकब रहे थे। उन्होंने महज 0.04 मीटर से टॉप रैंक खो दी थी। हालांकि, जैकब ने 2023 में यूजीन में आयोजित फाइनल में नीरज को हराकर डायमंड लीग का ताज जीता था। जैकब ने इस बार दोहा में भी नीरज को हराया।

नीरज ने कहा था- 90 मीटर पर कुछ नहीं कहूंगा

नीरज चोपड़ा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में 90 मीटर के थ्रो पर बातचीत करते हुए कहा, पिछले साल मैंने कहा था कि मैं 90 फेंकूंगा। इस साल, मैं कहना नहीं चाहता, मैं दिखाना चाहता हूं। नीरज आगे बोले, लोग मुझसे यह सवाल 2018 से पूछ रहे हैं जब मैंने एशियाई गेम्स में 88.06 थ्रो किया था। लेकिन, उसके बाद बहुत सी चीजें हुईं, मेरी कोहनी की चोट, सर्जरी और अब मैं 88 और 90 मीटर के बीच फंस गया हूं।

ओलिंपिक में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बने थे नीरज

नीरज एक साथ ओलिंपिक और वर्ल्ड चैंपियनशिप दोनों का गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बने थे। उन्होंने 2021 में हुए टोक्यो ओलिंपिक में गोल्ड जीता था। भारत ओलिंपिक में साल 1900 से शिरकत कर रहा है, लेकिन ट्रैक एंड फील्ड इवेंट्स में नीरज से पहले किसी भारतीय ने गोल्ड छोड़िए किसी भी कलर का मेडल नहीं जीता था। नीरज से पहले मिल्खा सिंह और पीटी उषा का अलग-अलग ओलिंपिक में चौथे स्थान पर रहना भारत का बेस्ट परफॉर्मेंस था।

इस हफ्ते सोने-चांदी में रही तेजी

इस बार सोना फिर 73 हजार रुपए के पार निकला

न्यूज क्राइम फाइल

इस हफ्ते सोने-चांदी के दामों में तेजी देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते की शुरुआत, यानी 6 मई को सोना 71,621 रुपए पर था, जो अब, यानी 11 मई को 73,008 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। यानी इस हफ्ते इसकी कीमत में 1,387 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। वहीं चांदी की बात करें तो ये अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंच गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट के अनुसार इस हफ्ते की शुरुआत में ये 80,965 रुपए पर थी, जो अब अपने ऑल टाइम हाई 84,215 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। वहीं इस हफ्ते इसकी कीमत 3,250 रुपए बढ़ी है।

4 महानगरों और भोपाल में सोने की कीमत

दिल्ली: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 67,400 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 73,510 रुपए है।

मुंबई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 67,250 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 73,360 रुपए है।

कोलकाता: 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 67,250 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 73,360 रुपए है।

चेन्नई: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 67,500 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 73,640 रुपए है।

भोपाल: 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 67,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 73,410 रुपए है।

सोने की कीमतों में तेजी की 3 वजहें

सोने का भारतीय संस्कृति में एक अलग स्थान है। यह विभिन्न उत्सवों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। खासकर शादी के मौसम और दिवाली के दौरान। जैसे-जैसे ये शुभ अवसर नजदीक आते हैं। सोने की मांग बढ़ने लगती है, जिससे इसकी कीमत पर दबाव बढ़ जाता है। आज अक्षय तृतीया पर सोना खरीदना शुभ माना जाता है, इसलिए आज इसकी कीमत में बढ़ोतरी हुई है। सोने की कीमत अक्सर करेंसी एक्सचेंज रेट से प्रभावित होती है। जब भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर होता है, तो यह भारतीय खरीदारों के लिए सोना अधिक महंगा बना देता है। अभी 1 अमेरिकी डॉलर की कीमत 83.49 रुपए है। अमेरिका में बढ़ते बेरोजगारी के दावों के बीच ब्याज दरों में कटौती की वजह से सोने की कीमतें बढ़ रही हैं। आज स्पॉट गोल्ड 1.14त्न की तेजी के साथ 2,335 डॉलर प्रति औंस पर चल रहा था। कॉमेक्स पर गोल्ड फ्यूचर 0.8त्न की बढ़त लेकर 2,340 डॉलर प्रति औंस पर था।

धारा 307 लगने के बावजूद कोर्ट में पेश नहीं हुए

इंदौर में अक्षय कांति बम के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट

न्यूज क्राइम फाइल

इंदौर में 12 दिन पहले कांग्रेस से बीजेपी में आए अक्षय कांति बम और पिता कांति बम के खिलाफ 17 साल पुराने जमीन विवाद मामले में कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। उन्हें इस केस में आज कोर्ट में पेश होना था लेकिन दोनों गैरहाजिर रहे। अक्षय ने वकील के जरिए पारिवारिक कार्यक्रम होने और पिता ने बीमारी में बेड रेस्ट का हवाला देकर पेशी से हाजिर माफी मांगी थी। कोर्ट ने आवेदन को खारिज कर दिया। 8 जुलाई तक दोनों को गिरफ्तार करके कोर्ट में पेश करने के आदेश दिए हैं। इधर, आज की पेशी से गैरहाजिर रहे अक्षय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के साथ कार्यक्रमों में दिखाई दिए। फरियादी के वकील मुकेश देवल ने बताया कि 2007 में दर्ज हुए बलवा, मारपीट के केस में पिछले महीने कोर्ट के आदेश पर धारा 307 बढ़ाई गई थी। 10 मई को इसकी सुनवाई हुई। शुरुआत में ही फरियादी पक्ष के युनूस पटेल की ओर से आवेदन पेश किया गया। इसमें कहा कि मामले में अक्षय और उनके पिता पर गंभीर धारा जुड़ गई है, इसलिए इनकी जमानत रद्द कर दी जाए। दूसरी ओर से आरोपी अक्षय के वकील ने आवेदन पेश किया कि अक्षय आज पारिवारिक, सोशल कार्यक्रमों में व्यस्त हैं। पेशी से हाजिरी माफी देने का अनुरोध किया। उनके पिता कांति ने बीमारी के कारण बेड रेस्ट के कारण हाजिर माफी का

आवेदन दिया था। वकील देवल ने बताया कि कोर्ट ने तर्कों को सुनने के बाद दोनों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया है। बता दें कि खजराना के युनूस पटेल से अक्षय और कांति का जमीन विवाद था। 2007 में इसे लेकर पथराव, बलवा आदि का मामला दर्ज कराया गया था। इसी की सुनवाई के दौरान पिछली पेशी में पिता-पुत्र के खिलाफ धारा 293, 323, 506,147,148 के अलावा धारा 307 भी बढ़ा दी गई थी। फरियादी पक्ष का कहना है कि दोनों के खिलाफ इस मामले में आगजनी की धारा बढ़ाने की मांग भी की गई है। बता दें इस केस में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी निधि नीलेश श्रीवास्तव ने आरोपियों को 10 मई को कोर्ट में पेश होने के आदेश दिए थे। फरियादी के धारा 161 में दिए गए बयान को आधार मानते हुए कोर्ट ने खजराना थाना प्रभारी को केस डायरी प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही धारा 428 के तहत अभियुक्तों की अभिरक्षा की अवधि का प्रमाण पत्र भी प्रकरण में संलग्न करने के लिए कहा गया है। फरियादी के वकील मुकेश देवल के मुताबिक प्रकरण पिछले 17 साल से चल रहा है। 24 अप्रैल को मामले की सुनवाई थी। इसमें कोर्ट ने हत्या के प्रयास की धारा बढ़ाने के निर्देश दिए थे। हमने आज कोर्ट में बम की जमानत निरस्त करने के लिए आवेदन लगाया है लेकिन अक्षय और उनके पिता कोर्ट में ही पेश नहीं हुए। इस कारण से गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है।

ये है मामला

4 अक्टूबर 2007 को सुबह 10:30 बजे से शाम 4:15 बजे के बीच आरोपियों ने फरियादी यूनुस पटेल के गांव में जाकर उसकी जमीन पर काम कर रहे नौकरों को धमकाया और उनके साथ मारपीट करते हुए वहां कटी हुई रखी सोयाबीन में आग लगा दी थी। फरियादी जब अपने नौकर का मेडिकल परीक्षण करवाकर वापस खेत पर लौटा तो आरोपी कांतिलाल बम, उनके बेटे अक्षय, सतवीर, सुरक्षा गार्ड मनोज, सोनू एवं अन्य 7-8 लोग बंदूक लेकर आए। कांतिलाल ने कहा था कि यही यूनुस गुड्डू है। इसे गोली मारकर जान से खत्म कर दो। सतवीर ने गोली चलाई, लेकिन तभी रिंकू ने यूनुस का हाथ पकड़ कर उसे पीछे से खींच लिया था और गोली यूनुस के पास से निकल गई थी। बता दें कि इंदौर के पूर्व आईजी व उनके पुत्र की सिक्योरिटी एजेंसी को कांतिलाल बम व अक्षय बम ने यूनुस पटेल की जमीन खाली कराने का ठेका दिया था। सतवीर की रिपोर्ट पर यूनुस के खिलाफ पुलिस ने झूठा लूट का प्रकरण दर्ज करा दिया था। झूठे साक्ष्य रचने के कारण यूनुस लूट के प्रकरण से दोषमुक्त हो चुके हैं।

फरियादी के धारा 161 में हुए थे बयान

फरियादी युनुस के दिनांक 19.10.2007 को धारा 161 के तहत बयान हुए थे। इसमें यूनुस ने कहा था कि, सतवीर सिंह ने मुझ पर गोली चलाई और तभी मेरे साथी रिंकू वर्मा ने हाथ पकड़ कर खींच लिया। जिससे गोली मेरे पास से निकल गई। साक्षी कैलाश, उस्मान ने भी अपने बयान में युनुस पटेल पर गोली चलाने की बात कही थी। पुलिस ने भी घटनास्थल से 1 बारह बोर की बंदूक एवं 1 चला हुआ कारतूस जब्त किया था।? इस मामले में अभियुक्तगण कांतिलाल एवं अक्षय जमानत पर हैं। प्रकरण में जब्तशुदा एक बाहर बोर की बंदूक पूर्व से सुपुर्दगी पर है।

उज्जैन में व्यापारी की हत्या, वीडियो वायरल

गेट खोलते ही घर में छिपे बदमाश ने चाकू से गोदा

न्यूज क्राइम फाइल

उज्जैन में शनिवार सुबह 8 बजे एक बदमाश ने व्यापारी की हत्या कर दी। 58 साल के व्यापारी मॉर्निंग वॉक कर घर लौटे थे। पहले से घर में छिपे बैठे बदमाश ने उनके पेट और कंधे पर चाकू से वार किए। इसके बाद भाग निकला। घटना जीवाजीगंज इलाके के जूना सोमवारिया की है। घटना के वक्त परिवार के बाकी सदस्य घर के थर्ड फ्लोर पर थे। व्यापारी और हमलावर के बीच संघर्ष भी हुआ। घायल व्यापारी को जिला अस्पताल लाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। घर के बाहर और अंदर के सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं। हत्या से पहले बदमाश घर में अजीब हरकतें करता दिखाई दे रहा है। वह अपने सिर को दीवार पर

मारता हुआ नजर आया है।

सुबह 7 बजे घर में घुसा आरोपी

मिश्रीलाल राठौर की जूना सोमवारिया में पूजा इलेक्ट्रॉनिक्स नाम से शॉप है। नीचे दुकान, ऊपरी फ्लोर पर मकान है। जीवाजीगंज थाना प्रभारी नरेंद्र परिहार ने बताया कि मिश्रीलाल हर दिन सुबह सैर और क्रिकेट खेलने जाते थे। आज जब वे घर लौटे और चैनल का गेट खोला, तभी घर के अंदर छिपकर बैठे बदमाश ने हमला कर दिया। हमले के बाद आरोपी चाकू और चप्पलें छोड़कर भाग निकला।

तीसरे फ्लोर पर था परिवार, शोर सुनकर नीचे आया

एडिशनल एसपी जयेंद्र राठौर, एसपी प्रदीप शर्मा भी मौके पर पहुंचे। सीसीटीवी फुटेज चेक करने पर पता चला कि आरोपी सुबह 7 बजे घर में घुसा था। एसपी के अनुसार, आरोपी के पकड़ाने के बाद ही हत्या का कारण सामने आएगा। आशंका है कि आरोपी आसपास का ही रहने वाला है, जिसे व्यापारी के आने और जाने का समय पता था। मिश्रीलाल के दो बच्चे हैं। परिजन से पूछताछ में पता चला है कि वे मकान की तीसरी मंजिल पर थे। शोर सुनकर नीचे आए। व्यापारी का किसी से विवाद नहीं था। न ही किसी से कोई रंजिश थी।

शाह दे गए थे चेतावनी-मतदान कम हुआ तो पद से हटाएंगे; 11 में से 8 के यहां घटी वोटिंग

एमपी के इन 8 मंत्रियों पर गिर सकती हैं गाज

न्यूज क्राइम फाइल

केंद्रीय मंत्री अमित शाह की वोटिंग पर्सेंट को लेकर दी गई चेतावनी का असर ये हुआ है कि तीसरे चरण में पिछले लोकसभा चुनाव के बराबर वोटिंग हुई। मगर, मंत्रियों का परफॉर्मेंस इस चरण में भी कमजोर रहा है। तीसरे चरण की 9 लोकसभा सीटों से प्रदेश सरकार में 11 मंत्री आते हैं। इनमें से 8 मंत्री, शाह के परफॉर्मेंस पर खरे नहीं उतरे। इनके विधानसभा क्षेत्र में हुआ मतदान, लोकसभा सीट पर हुए औसत मतदान से कम रहा है। इस बार अच्छा प्रदर्शन करने वाले विधायकों की संख्या में इजाफा हुआ है। 38 बीजेपी विधायकों में से 19 ऐसे हैं, जिनके क्षेत्र में संसदीय सीट के औसत से ज्यादा वोटिंग हुई है। दरअसल, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दूसरे चरण की वोटिंग के पहले 25 अप्रैल को देर शाम बीजेपी दफ्तर में प्रदेश के बड़े नेताओं की एक बैठक ली थी। बैठक में उन्होंने कहा था कि जिन मंत्रियों के विधानसभा क्षेत्र में मतदान प्रतिशत कम होगा, उनका पद चला जाएगा। बदले में उन विधायकों को मंत्री बनाया जाएगा, जिनके क्षेत्र में मतदान प्रतिशत बढ़ेगा। हालांकि, अमित शाह ने ये नहीं बताया कि कितने फीसदी कम वोटिंग पर मंत्रियों का पद जा सकता है। जिन मंत्रियों के क्षेत्र में कम वोटिंग हुई है उन्होंने इसके लिए कई सारे कारण गिनाए हैं। वहीं, ज्यादा वोटिंग करवाने में कामयाब रहे विधायकों का कहना है कि कार्यकर्ताओं की मेहनत का नतीजा है। तीसरे चरण के चुनाव में ऐसे कितने मंत्री हैं, जिनके क्षेत्र में कम वोटिंग हुई है और जो शाह की चेतावनी के बाद डेंजर जोन में दिखाई देते हैं।

पहले जानिए शाह की चेतावनी का असर कैसे हुआ

जिस दिन अमित शाह ने वोटिंग पर्सेंट बढ़ाने की चेतावनी दी थी उसके बाद बीजेपी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने की कवायद शुरू कर दी थी। बीजेपी दफ्तर में बैठकों का दौर शुरू हुआ। बीजेपी ने तय किया था कि जिस दिन मतदान होगा उस दिन मतदान जागरण अभियान चलाया जाए। संगठन ने सीएम और प्रदेश अध्यक्ष समेत बड़े नेताओं को ये जिम्मेदारी दी कि वे बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को सुबह कॉल करेंगे। इसके बाद ये कार्यकर्ता अपने निचलेस्तर के कार्यकर्ताओं कॉल कर मतदान के लिए प्रेरित करेंगे। 7 मई को जिन 9 सीटों पर मतदान हुआ, उन सभी पर बीजेपी ने यही स्ट्रैटजी अपनाई। इसका नतीजा ये हुआ कि सुबह 9 बजे से 11 बजे के बीच सबसे ज्यादा मतदान हुआ। आखिर में जब मतदान खत्म हुआ तो ये आंकड़ा पिछले चुनाव में हुए मतदान के बराबर जा पहुंचा। हालांकि, पहले, दूसरे और तीसरे चरण की कुल 21 सीटों पर वोटिंग पर्सेंट देखें तो ये 2019 में हुए वोटिंग पर्सेंट के मुकाबले 5.66 फीसदी कम है।

मंत्रियों पर शाह की चेतावनी का असर नहीं, विधायकों ने गंभीरता से लिया

बीजेपी के सूत्र बताते हैं कि शाह ने अपने दौरे में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा सहित अन्य नेताओं को स्पष्ट शब्दों में कहा था कि पार्टी के विधायक सक्रिय नहीं हैं। हर विधायक का रिपोर्ट कार्ड लोकसभा चुनाव के परिणाम के अधार पर बनेगा। इसी के आधार पर उनका राजनीतिक भविष्य तय होगा। शाह ने मंत्रियों को लेकर भी चेतावनी दी थी। पार्टी ने ये मैसेज सभी जगह पहुंचा दिया था। ऐसे में तीसरे चरण की 9 लोकसभा सीटों में से बीजेपी के कुल 49 विधायकों का वोटिंग टेस्ट था। इनमें से 11 विधायक मंत्री हैं। मंत्रियों पर तो इस मैसेज का असर ज्यादा नजर नहीं आया, लेकिन विधायकों ने इसे गंभीरता से लिया।

शाह के वोटिंग टेस्ट में 8 मंत्री डेंजर जोन में, 3 सेफ

तीसरे चरण में 11 मंत्रियों का वोटिंग टेस्ट हुआ। इनमें से 8 मंत्री इस टेस्ट में खरे नहीं उतरे। जबकि, 3 मंत्रियों ने उम्मीद से बेहतर परफॉर्म किया है। जो मंत्री टेस्ट में खरे नहीं उतरे, उनमें दो-दो भोपाल और ग्वालियर लोकसभा सीट से हैं। वहीं, एक-एक मुरैना, बैतूल और भिंड लोकसभा सीट से आते हैं। राजगढ़ लोकसभा सीट के एक मंत्री ने बेहतर काम किया है एक थोड़ा पीछे रह गए। वहीं, विदिशा और सागर लोकसभा सीट से आने वाले मंत्रियों का प्रदर्शन बेहतर रहा है।

बैतूलः हरसूद विधायक विजय शाह की सीट पर सबसे कम मतदान

बैतूल सीट पर 73.48 फीसदी वोट पड़े हैं। यहां से दुर्गादास उईके भाजपा के प्रत्याशी हैं। इस सीट में आने वाली आठ विधानसभा सीटों में हरसूद पर सबसे कम वोटिंग हुई है। यहां से विजय शाह विधायक हैं, जो डॉ. मोहन सरकार में आदिम जाति कल्याण मंत्री हैं। 11 मंत्रियों में से सबसे खराब परफॉर्मेंस विजय शाह का ही रहा है। उनकी सीट पर 69.13 फीसदी वोटिंग हुई है, जो संसदीय सीट पर औसत मतदान से 5 फीसदी कम है।

मुरैनाः कंसाना के क्षेत्र में 54 फीसदी वोटिंग, तोमर भी नहीं बढ़ा पाए

मुरैना सीट की 8 विधानसभा में से 3 पर भाजपा का कब्जा है। वोटिंग से तीन दिन पहले ही विजयपुर से कांग्रेस विधायक रामनिवास रावत ने भाजपा का दामन थाम लिया था। इस सीट पर वोटिंग के आंकड़े देखें तो सबसे कम सुमावली में 54.04 फीसदी मतदान हुआ है। यहां से एंदल सिंह कंसाना विधायक हैं। जो डॉ. मोहन सरकार में कृषि मंत्री हैं। सुमावली की तरह दिमनी में भी लगभग इतनी ही वोटिंग हुई। यहां से विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर विधायक हैं।

ग्वालियरः इस लोकसभा सीट से दो मंत्री, दोनों के यहां कम मतदान

ग्वालियर लोकसभा की आठ में से चार विधानसभा सीटों पर भाजपा काबिज है। इसमें से मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के विधानसभा क्षेत्र ग्वालियर में औसत से 3.23 फीसदी कम वोटिंग हुई है। यहां 58.45 फीसदी वोटिंग हुई है। जबकि लोकसभा क्षेत्र में 61.68 फीसदी मतदान हुआ।

नारायण कुशवाह की सीट पर औसत से 1 फीसदी से कम वोटिंग

प्रदेश सरकार में सामाजिक न्याय मंत्री नारायण कुशवाह ग्वालियर दक्षिण से विधायक हैं। उनके क्षेत्र में 61.3 फीसदी वोट पड़े हैं, जो संसदीय क्षेत्र की औसत वोटिंग से 1 फीसदी से भी कम है। इस सीट से उनके प्रतिद्वंद्वी के रूप में विधानसभा चुनाव लड़े कांग्रेस के प्रवीण पाठक लोकसभा में कांग्रेस के उम्मीदवार है।

भिंडः 1 फीसदी से कम वोटिंग से पिछड़े राकेश शुक्ला

भिंड सीट के अंतर्गत आठ में से चार सीटों पर भाजपा का कब्जा है। यहां से एक मात्र मेहगांव से विधायक राकेश शुक्ला मंत्री हैं। इस चुनाव में उनकी मेहगांव सीट पर लोकसभा में औसतन मतदान से 0.94 फीसदी कम वोटिंग हुई।

भोपालः दोनों मंत्रियों के क्षेत्र में औसतन से कम वोटिंग

गोविंदपुरा सीट भाजपा का गढ़ माना जाता है। इस विधानसभा सीट से विधायक कृष्णा गौर हैं, जो पिछड़ा वर्ग राज्य मंत्री हैं। उनके क्षेत्र में 60.05 फीसदी वोटिंग हुई। जबकि लोकसभा में वोटिंग का प्रतिशत 62.29 प्रतिशत है। इस तरह से औसत से 2.24 फीसदी वोटिंग कम हुई। भोपाल लोकसभा सीट पर नरेला और गोविंदपुरा में औसत से कम वोटिंग हुई है। नरेला मंत्री विश्वास सारंग का क्षेत्र है, जहां औसत से 1.49 फीसदी वोट कम पड़े। हालांकि, इस चुनाव में भाजपा ने सारंग को राजगढ़ की जिम्मेदारी दी थी।

राजगढ़ः दोनों मंत्रियों ने उम्मीद के मुताबिक परफॉर्म किया

राजगढ़ में मंत्री और विधायक पार्टी उम्मीदवार रोडमल नागर के साथ प्रचार करते दिखे। इसका फायदा भी हुआ। मंत्री गौतम टेटवाल के क्षेत्र सारंगपुर में औसत से 3 फीसदी से ज्यादा वोटिंग हुई।

नारायण की सीट पर भी औसत के बराबर वोटिंग

ब्यावरा सीट से विधायक और मत्स्य कल्याण मंत्री नारायण सिंह पंवार की सीट पर 75 फीसदी वोटिंग हुई जो औसत से महज 0.39 फीसदी कम है। दरअसल, राजगढ़ सीट पर अमित शाह का पूरा फोकस था इस वजह से विधायक और मंत्रियों ने यहां मतदान के लिए पूरी ताकत झोकी।

शेष भाग पेज 10 पर

अरविंद केजरीवाल 39 दिन बाद तिहाड़ जेल से बाहर आए

कहा- देश को तानाशाही से बचाना है, मैं इससे लड़ रहा हूं; 1 जून तक जमानत मिली

न्यूज क्राइम फाइल

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 39 दिन बाद शुक्रवार (10 मई) की शाम को 6 बजकर 55 मिनट पर तिहाड़ जेल से बाहर आए। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें 1 जून तक के लिए अंतरिम जमानत दी है। उन्हें 2 जून को हर हाल में सरेंडर करने को कहा गया है। रिहाई के बाद केजरीवाल ने कार्यकर्ताओं से कहा, आप से निवेदन है हमें सबको मिलकर देश को तानाशाही से बचाना है। मैं तन मन धन से लड़ रहा हूं। तानाशाही के खिलाफ संघर्ष कर रहा हूं। आज आपके बीच आके अच्छा लग रहा है। कल सुबह 11 कनॉट प्लेस हनुमान जी के मंदिर में मिलेंगे। हनुमान जी का आशीर्वाद लेंगे। 1 बजे पार्टी ऑफिस में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे। केजरीवाल दिल्ली शराब नीति मामले में 1 अप्रैल (39 दिन) से तिहाड़ जेल में बंद थे। अदालत ने आज दोपहर 2 बजे एक लाइन में फैसला सुनाया। हालांकि, उनके वकील ने 5 जून तक की रिहाई का अनुरोध किया था, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया एक जून को खत्म हो जाएगी।

अंतरिम जमानत का आधार, कोर्ट ने कहा- 22 दिन में कोई फर्क नहीं पड़ेगा

जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा, अगस्त 2022 में ईडी ने केस दर्ज किया। उन्हें मार्च (2024) में गिरफ्तार किया गया। डेढ़ साल तक वे कहां थे? गिरफ्तारी बाद में या पहले हो सकती थी। 22 दिन इधर या उधर से कोई फर्क नहीं पड़ना चाहिए। ईडी का कहना था कि चुनाव प्रचार जमानत का आधार नहीं हो सकता, क्योंकि ये कोई मौलिक या कानूनी अधिकार नहीं हो सकता। ईडी ने ये भी कहा था कि जमानत देने से गलत मिसाल कायम होगी।

सुप्रीम कोर्ट में अब आगे क्या

सुप्रीम कोर्ट ने कहा,गिरफ्तारी के खिलाफ केजरीवाल की याचिका पर बहस अगले सप्ताह जारी रहेगी। 20 मई से शुरू होने वाली गर्मी की छुट्टियों से पहले याचिका पर फैसला सुनाने का प्रयास करेगी। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने कहा, केजरीवाल की अंतरिम जमानत की शर्तें आप नेता संजय सिंह की जमानत पर लगाई गई शर्तों के समान होंगी। संजय सिंह को एक अप्रैल को इसी मामले में जमानत दी गई थी। कोर्ट ने संजय सिंह की जमानत के लिए तीन शर्तें रखी थीं। वे जेल से बाहर जाकर आबकारी नीति केस से जुड़ी कोई बयानबाजी नहीं करेंगे। अपना पासपोर्ट सरेंडर करेंगे। दिल्ली से बाहर जाने पर जांच एजेंसी को बताएंगे और अपनी लाइव लोकेशन शेयर करेंगे।

प्रदेश में सबसे ज्यादा वोटिंग विदिशा में

पेज 9 का शेष भाग

विदिशा लोकसभा सीट पर सबसे ज्यादा वोटिंग बुधनी में 81.54 फीसदी हुई। यहां से शिवराज सिंह चौहान विधायक हैं। जबकि औसत के हिसाब से देखें तो 4.17 फीसदी ज्यादा वोटिंग इछावर में हुई। इछावर मंत्री करण सिंह वर्मा का विधानसभा क्षेत्र है। इस लोकसभा सीट पर सबसे कम वोटिंग 69.15 फीसदी खातेगांव में हुई।

सागरः मंत्री राजपूत व विधायक भूपेंद्र के क्षेत्र में बढ़ी वोटिंग

सागर सीट पर मंत्री गोविंद सिंह राजपूत की विधानसभा सुरखी में औसत से 1 फीसदी ज्यादा वोटिंग हुई। इसी तरह विधायक भूपेंद्र सिंह के क्षेत्र खुरई में 1. 31 फीसदी ज्यादा वोट पड़े। भूपेंद्र शिवराज सरकार में मंत्री रहे, लेकिन डॉ. मोहन सरकार में उन्हें जगह नहीं मिली।

तीसरे चरण में 19 विधायकों के क्षेत्र में औसत से ज्यादा वोटिंग

तीसरे चरण में बीजेपी के 38 विधायकों में से 19 इस वोटिंग टेस्ट में पास हुए हैं। इन विधायकों के क्षेत्र में लोकसभा क्षेत्र में हुए औसत मतदान से ज्यादा वोटिंग हुई है। इसमें पहले नंबर पर सीहोर के विधायक सुदेश राय हैं। सीहोर विधानसभा सीट पर संसदीय क्षेत्र में हुई औसत वोटिंग से 12 फीसदी ज्यादा मतदान हुआ है। विधायकों में सबसे कमजोर प्रदर्शन भोपाल दक्षिण पश्चिम सीट से विधायक भगवान दास सबनानी का रहा है। उनके क्षेत्र में औसत से 10 फीसदी कम वोटिंग हुई है।

अब कम और ज्यादा वोटिंग पर क्या कहते हैं मंत्री और विधायक

हरसूद से विधायक और जनजातीय विभाग के मंत्री विजय शाह का मंत्रियों में सबसे कमजोर प्रदर्शन रहा है। इसे लेकर विजय शाह का कहना है कि शादी-ब्याह और गर्मी की वजह से कम मतदान हुआ है। हालांकि, उनका कहना है कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव में वोटिंग में बेहद अंतर रहता है।

विधायकों में सबसे ज्यादा और कम वोटिंग भोपाल लोकसभा सीट पर

विधायकों में सबसे कम वोटिंग भोपाल दक्षिण पश्चिम सीट के विधायक भगवान दास सबनानी के क्षेत्र में हुई है। उनका कहना है कि स्मार्ट सिटी बनने की वजह से ज्यादा कर्मचारी दूसरे विधानसभा क्षेत्रों में शिफ्ट हो गए हैं, लेकिन वोटर लिस्ट में उनका नाम है। वहीं, सबसे ज्यादा वोटिंग विधायक सुदेश राय की सीहोर सीट पर हुई है। वे कहते हैं कार्यकर्ताओं ने मेहनत की है।

चौथे चरण के चुनाव में 7 मंत्रियों की साख दांव पर

अब 13 मई को चौथे चरण की आठ लोकसभा सीटों पर मतदान होना है। ये सभी सीटें मालवा-निमाड़ क्षेत्र की सीटें हैं। यहां से प्रदेश सरकार में 7 मंत्री आते हैं। मालवा निमाड़ की सीटों पर ज्यादा मतदान के लिए इंदौर के नेता पहले ही सतर्क हो चुके हैं। 5 मई रविवार को इंदौर के बीजेपी दफ्तर में आला नेताओं की बैठक हुई, जिसमें वोटिंग पर्सेंट बढ़ाने को लेकर विचार मंथन हो चुका है।

शिवराज की सभा का टेंट उड़ा, आंधी चलने का अलर्ट

एमपी के कई जिलों में बूंदाबादी; 13 मई तक बारिश और ओले के आसार

न्यूज क्राइम फाइल

मध्यप्रदेश में तेज गर्मी के बीच पिछले तीन दिन से लगातार बारिश हो रही है। शुक्रवार को मंदसौर में शिवराज सिंह चौहान की सभा से पहले शहर में तेज हवाओं के साथ बूंदाबांदी हुई। इससे पंडाल का टेंट उड़ गया। सभा में आए लोगों को हाल में बैठाया गया। शुक्रवार को फिर भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत मध्य प्रदेश के कई जिलों में मौसम बदलने की संभावना है। मौसम विभाग ने नीमच, मंदसौर, रतलाम, उज्जैन, विदिशा, इंदौर, देवास, शाजापुर, भोपाल, रायसेन, सीहोर और सागर में बिजली चमकने के साथ हल्की आंधी चलने का अनुमान भी जताया है। यहां 40 किमी प्रति घंटे तक हवा की रफ्तार रह सकती है। मौसम विभाग ने 13 मई तक आंधी, बारिश और ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है। इससे गर्मी से थोड़ी राहत भी मिल सकती है। भोपाल की सीनियर वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, अभी तीन वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव हैं। वहीं, साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम और हवा का रुख भी बदला हुआ है। इस वजह से प्रदेश में बारिश का दौर है। कुछ जिलों में ओले भी गिर सकते हैं।

मप्र में अगले चार दिन ऐसा मौसम

10 मई: नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में बारिश के साथ ओले भी गिरे भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी, नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा, रायसेन, विदिशा, सीहोर, देवास, शाजापुर, आगर-मालवा, विदिशा, राजगढ़, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी, मैहर, उमरिया, शहडोल, डिंडोरी, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में भी मौसम बदला रहा। गरज-चमक, बूंदाबांदी और बादल की स्थिति रही।

11 मई: भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, श्योपुरकलां, मुरैना, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, विदिशा, सागर, दमोह, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, धार, आगर-मालवा, राजगढ़, शाजापुर, देवास, खरगोन, खंडवा, हरदा, बैतूल, नर्मदापुरम, रायसेन में गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है।

12 मई: इस दिन नीमच, मंदसौर, रतलाम और झाबुआ ही ऐसे जिले हैं, जहां धूप खिली रहेगी। बाकी सभी जिलों में मौसम बदला रहेगा। यहां गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। वहीं, आंधी चलने का अनुमान भी है।

13 मई: इंदौर, देवास, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, विदिशा, बैतूल, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, पन्ना, दमोह, कटनी, मैहर, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया, जबलपुर, मंडला, सिवनी, बालाघाट, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, बैतूल में भी मौसम बदला रहेगा।

दतिया में आटे को लेकर विवाद में सिर पर बाट भी मारा; तीन सगे भाइयों पर केस

युवक की डंडे से पीट-पीटकर हत्या

न्यूज क्राइम फाइल

दतिया में युवक की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। उसके सिर पर बाट भी मारा। युवक 8 महीने पहले ही मर्डर के आरोप में जेल से रिहा हुआ था। बताया जा रहा है कि विवाद आटे खरीदने को लेकर हुआ था। हालांकि, अभी कारण पूरी तरह स्पष्ट नहीं हुआ है। पुलिस ने तीन सगे भाइयों पर हत्या का केस दर्ज किया है। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। दो फरार हैं। वारदात शुक्रवार सुबह भांडेर के काजीपाठा की है। यहां रहने वाला भगवान सिंह यादव (40) सुबह चिरगांव रोड स्थित बाबूलाल की चक्की पर आटा खरीदने पहुंचा था। इसी बीच उसका तीनों भाइयों से विवाद हो गया।

18 सेकंड का वीडियो आया सामने

इस घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है। 18 सेकेंड के वीडियो में दिख रहा है कि आशीष नाम के शख्स ने भगवान सिंह के सिर पर डंडे से वार किया। भगवान सिंह नीचे गिर गया। आरोपी उस पर लगातार वार करता रहा। वह तब तक भगवान सिंह को पीटता रहा, जब तक उसकी सांसें थम नहीं गईं।

दो भाइयों ने हाथ पकड़े, एक ने बाट मारा

प्रत्यक्षदर्शी अमित यादव ने बताया कि अशोक रजक और अरविंद रजक ने भगवान सिंह के हाथ पकड़े थे। आशीष रजक ने पहले सिर पर डंडे से वार किया। इसके बाद सिर पर दो बार तौलने वाला बाट दे मारा।

भगवान सिंह पर कई केस दर्ज थे

भांडेर एसडीओपी कर्णिक श्रीवास्तव ने बताया कि आशीष को गिरफ्तार किया जा चुका है। अशोक और अरविंद फरार हैं। पुलिस आशीष से पूछताछ कर उनकी पतासाजी कर रही है। पुलिस ने बताया कि भगवान सिंह पर हत्या सहित कई केस दर्ज थे। हत्या के मामले में वह आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। वह 15 अगस्त 2023 को जेल से रिहा हुआ था।

कांग्रेस कहती है कि मोदी तेरी कब्र खुदेगी, ये गाली देते हुए भी तुष्टिकरण करते हैं

पीएम मोदी बोले- नकली शिवसेना मुझे जिंदा गाड़ना चाहती है

संदीप कुमार यादव

लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने महाराष्ट्र के नंदूरबार में चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा- नकली शिवसेना वाले मुझे जिंदा गाड़ने की बात कर रहे हैं। एक तरफ कांग्रेस है, जो कहती है कि मोदी तेरी कब्र खुदेगी। दूसरी तरफ नकली शिवसेना मुझे जिंदा गाड़ने की बात करती है। मुझे गाली देते हुए भी ये लोग तुष्टिकरण का पूरा ध्यान रखते हैं। इसके अलावा मोदी ने आरक्षण के मुद्दे पर भी चर्चा की। मोदी ने कहा- मैं 17 दिन से कांग्रेस को चुनौती दे रहा हूं। मैंने कांग्रेस से कहा है कि वो लिखकर बताए कि वो स्ष्ट-स्ज्ञ और ह्क्ष्ट के आरक्षण के टुकड़े नहीं करेंगे। और न ही मुसलमानों में बाटेंगे। मेरे सवाल का कांग्रेस ने अब तक जवाब नहीं दिया है। इसका मतलब कांग्रेस का हिडन एजेंडा आपका हक लूटना है। मेरे इस चैलेंज पर कांग्रेस की चुप्पी का मतलब दाल में कुछ काला है।

1. आरक्षण पर कांग्रेस का हाल चोर मचाए शोर जैसा

आरक्षण पर कांग्रेस का हाल चोर मचाए शोर वाला है। धर्म के आधार पर आरक्षण बाबा साहेब की भावना के खिलाफ है। संविधान की भावना के खिलाफ है, लेकिन कांग्रेस का एजेंडा है- दलित, पिछड़े, आदिवासी का आरक्षण छीनकर अपने वोटबैंक को देना।

2. जिनका रंग भगवान कृष्ण जैसा, कांग्रेस उन्हें अफ्रीकन मानती है

कांग्रेस के शहजादे के गुरु अमेरिका में रहते हैं। उन्होंने भारत के लोगों पर रंगभेदी टिप्पणी की है। जिनका रंग भगवान कृष्ण जैसा होता है, कांग्रेस उन्हें अफ्रीकन मानती है। इसलिए द्रौपदी मुर्मू जी का राष्ट्रपति बनना उन्हें मंजूर ही नहीं था। शहजादे के गुरु ने अमेरिका से कहा है कि राम मंदिर का निर्माण और रामनवमी का उत्सव भारत के विचार के खिलाफ है।

3. हमने आदिवासी की बेटी को राष्ट्रपति बनाया

ईडी ने आदिवासी बेटी को राष्ट्रपति बनाया। लेकिन आपको याद रखना चाहिए कि वो कौन लोग थे, जिन्होंने आदिवासी बेटी द्रौपदी मुर्मू जी को राष्ट्रपति का चुनाव हराने के लिए रात-दिन एक कर दिए थे। ये कांग्रेस वाले थे, जिन्होंने एक आदिवासी बेटी को राष्ट्रपति बनने से रोकने के लिए रात-दिन एक कर दिए थे।

4. कांग्रेस गरीबों के खिलाफ है

कांग्रेस वाले इतने अहंकार से भरे हुए हैं कि गरीब इनके लिए कोई मायने नहीं रखता। आज ये गरीब का बेटा आपका सेवक बनकर जब प्रधानमंत्री पद पर काम कर रहा है तो ये गरीब विरोधी मानसिकता वाले, शाही परिवार की मानसिकता वाले इसे बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं।

5. शरद पवार हार से हताश हुए

महाराष्ट्र के एक दिग्गज नेता बारामती में चुनाव के बाद हताश हो गए हैं। उनको लगता है कि अगर 4 जून के बाद राजनीतिक जीवन में टिके रहना है, तो छोटे-छोटे दलों को कांग्रेस में विलय कर लेना चाहिए। इसका मतलब है कि नकली NCP और नकली शिवसेना ने कांग्रेस में मर्जर करने का मन बना लिया है।

मोदी की तेलंगाना में भी सभा

आज मोदी तीन राज्यों के दौरे पर हैं। महाराष्ट्र के नंदूरबार की सभा के बाद मोदी तेलंगाना जाएंगे। वे महबूबनगर में दोपहर 3.15 जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद शाम 5.30 बजे वे हैदराबाद में रैली करेंगे। रात 8.30 बजे वे ओडिशा के भुवनेश्वर में रोड शो भी करेंगे।

राहुल बोले- यूपी में इंडी गठबंधन को 50 सीटें मिलेंगी

न्यूज क्राइम फाइल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कन्नौज और फिर कानपुर में संयुक्त रैली की। राहुल ने कहा-पिछले 3 साल से हम मोदी के खिलाफ लड़ रहे हैं। यूपी में इंडी गठबंधन को 50 सीटें मिलेंगी। पीएम मोदी ने अडाणी को फायदा पहुंचाया। अडाणी के लिए हमारे बिजनेस खत्म कर दिए। उन्होंने कहा-नरेंद्र मोदी डर गए हैं। वे इसी डर के मारे अपने मित्रों से कह रहे हैं- अडाणी-अंबानी मुझे बचाओ। मैं हारने वाला हूं। राहुल ने दावा किया कि 2024 में मोदी पीएम नहीं बनेंगे। जब आप लोग मर रहे थे। तब वो चंदा बटोर रहे थे। अडाणी से कहा मुझे पैसे भेजो। टेंपो में पैसे भेजो मुझे। मोदीजी आपको कैसे पता कि वो हमको काला धन देते हैं। आपने ईडी और सीबीआई क्यों नहीं भेजी। अखिलेश ने कहा- ये कैसी सरकार है जिसका हर पेपर लीक हो रहा है। फौज में भर्ती को कम कर दिया। नौकरी भी 4 साल की कर दी। हमारी सरकार बनी तो अग्निवीर को बंद करेंगे। आपका जो गुस्सा सातवें आसमान पर है। उसे वोट देकर निकलिए। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह भी कन्नौज में रैली में शामिल हुए। उन्होंने कहा- भाजपा के लोग पिछड़ों से नफरत करते हैं। अखिलेश मंदिर गए तो उसे धोया। कन्नौज से अखिलेश खुद चुनाव लड़ रहे हैं। उनका मुकाबला भाजपा सांसद सुब्रत पाठक से है। कानपुर में कांग्रेस प्रत्याशी आलोक मिश्रा मैदान में हैं। जबकि भाजपा ने रमेश अवस्थी को टिकट दिया है।

राहुल ने संविधान हाथ में लिया, कहा-राष्ट्रपति तक को प्राण-प्रतिष्ठा में नहीं बुलाया

कानपुर में राहुल ने संविधान की किताब हाथ में लेकर कहा- इस दुनिया की कोई शक्ति इसे हाथ नहीं लगा सकती है। देश में एक टैक्स होगा। अडाणी- अंबानी को फायदा पहुंचाने वाला टैक्स नहीं होगा। बैंक वाले छोटे कारोबारियों को सैल्यूट मारेंगे। मेरा सपना है कि मोबाइल के बीच में लिखा हो-मेड इन कानपुर। युवाओं ने जोर से नारे लगाए तो राहुल बोले- मोदी गया। उन्होंने कहा-हम तीन चीजें करने जा रहे हैं। मोदी ने आपको भटकाने को काम किया। राम मंदिर में अमिताभ बच्चन और टीम इंडिया आपको दिखी। किसान, दलित, आदिवासी नहीं बुलाए गए। राष्ट्रपति तक को नहीं बुलाया। सरकार पब्लिक सेक्टर खत्म करने जा रही है। संविधान ही इस देश का दिल है।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623